कांग्रेस कार्यसमिति का शोक–प्रस्ताव

कांग्रेस कार्यसमिति की यह बैठक पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अर्जुन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करती है।

अर्जुन सिंह जी का निधन न केवल कांग्रेस की बल्कि भारतीय राजनीति की एक अपूरणीय क्षति है। वे एक ऐसे राजनेता थे जिनकी राजनीतिक प्रतिभा का महत्व एवं कौशल उनके विरोधी भी स्वीकार करते थे। कुछ विषयों एवं मुद्दों पर उनका निश्चित दृष्टिकोण और विचार थे जिन पर वे हमेशा अडिग रहे। उन्होंने विरोध एवं विवाद की चिंता किए बिना अपने ढंग से सार्वजनिक जीवन में अपनी भूमिका का निर्वाह किया।

कांग्रेस की परंपरा के अनुसार एक लंबे समय तक वे भारतीय राजनीति में धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के एक प्रतीक रहे और सांप्रदायिक शक्तियों के विरुद्ध अपनी आवाज़ बुलंद की। आदिवासी, दलित एवं अन्य पिछड़े वर्गों के प्रति उनकी संवेदना और समर्थन के स्वर की चर्चा एक अर्से तक भविष्य में भी होती रहेगी।

इसी के साथ साहित्य, संस्कृति एवं कला के क्षेत्र में भी उनकी अत्यधिक रुचि थी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं केंद्र में मानव संसाधन विकास मंत्री के रूप में उन्होंने इन क्षेत्रों के विकास पर पूरा ध्यान देते हुए खूब सहायता एवं प्रोत्साहन दिया।

अर्जुन सिंह जी की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने चुनौतियों के बीच कभी हिम्मत नहीं हारी। हर चुनौती का डटकर मुक़ाबला किया और पार्टी ने उन्हें जो भी ज़िम्मेदारी दी उसका सफलतापूर्वक निर्वाह किया। प्रदेश में मंत्री, मुख्यमंत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, राज्यपाल एवं केंद्रीय मंत्री के रूप में उनकी भूमिका अनेक रूप में महत्वपूर्ण एवं उल्लेखनीय है।

कार्यसमिति की यह बैठक उनके परिवारजनों, सहयोगियों एवं समर्थकों को अपनी हार्दिक संवेदना प्रेषित करती है।

---

5 मार्च, 2011